>

Title: Alleged closure of investigation by CBI against the persons involved in usurping money released for the supply of boring pumpsets to the farmers in Bihar.

श्री हुक्मदेव नारायण यादव : सभापति महोदया, मुझे बहुत पीड़ा के साथ इस विषय को सदन में उठाना पड़ रहा है। देश के किसानों को सरकार की तरफ से अनुदान में बोरिंग पम्पिंग सेट्स दिए जाते हैं। लेकिन अनुदान में दिए गए इन बोरिंग पम्पिंग सेट्स में किस तरह किसानों का शोषण हुआ है, उसका एक उदाहरण मैं आपके माध्यम से सदन में बताना चाहता हूं। मैं 1980 में राज्य सभा का सदस्य बना। तब से लेकर आज तक मैं इस मामले को लेकर लड़ता रहा हूं। सन् 1980 से लेकर 2000 के बीच बिहार में बोरिंग पम्पिंग सेट्स में BÃ‰Ã¾ 1500 करोड़ रुपए से लेकर 2000 करोड़ रुपए तक का घोटाला हुआ था। नाबार्ड से, बैंकिंग विभाग से सीबीआई द्वारा जांच के बाद, सीबीआई के प्रतिवेदन पर बैंकों के आठ अधिकारियों को बर्खास्त किया गया तथा 33 डीलर्स के खिलाफ सीबीआई के कोर्ट में चार्जशीट फाइल की गई और मुकदमा चला। बोरिंग पम्पिंग सेट्स घोटाले पर राज्य सभा में प्रश्नों के उत्तर में सरकार ने छः आरोपों को पूर्णतः सत्य पाया। पाइपस्ट्रेनर, पम्प सेट बाजार में जिस दर पर मिलता था, उससे ज्यादा कीमत डीलर्स ने ली। इन बोरिंग पम्पसेट्स पर 3000 रुपए से 3500 रुपए तक अनुदान दिया जाता था। बाजार में जो पम्प सेट्स और पाइप स्ट्रेनर्स की कीमत थी, उससे अधिक अनुदान वाले लेते थे, 4000-4500 रुपए ज्यादा लेते थे। अनुदान मिलता था 3000 रुपए और बाजार दर से उन्हें 4000-4500 रुपए ज्यादा में मिलता था। अभी भी ग्रामीण विकास, सीबीआई इस भयंकर घोटाले को दबा रहा है। लगभग 1500 करोड़ रुपए से 2000 करोड़ रुपया किसानों का लूट लिया गया, उनके घर उजड़ गए, बोरिंग पम्पिंग सेट्स में उन्हें लूट लिया गया। उन किसानों को पैसा वापस मिलना चाहिए। इन प्रश्नों को इसलिए उठाया जाता है कि iÃ‰Ã¾ सीबीआई ने इस मामले की जांच क्यों रोक दी, किसके आदेश से रोकी इसलिए कि यह भ्रष्टाचार चाहे बैंक वाले का हों या भूमि विकास बैंक वाले का हों, आपूर्तिकर्ता हों, सबने मिलकर देश के किसानों को लूटा था, इन सबको बचाने के लिए सीबीआई ने उन केसेज़ को रोक दिया है, बंद कर दिया है।

मैं मांग करता हूं कि सीबीआई उस केस को पुनः ले, जांच करे। माननीय प्रधान मंत्री जी को मैंने पत्र लिखा, क्वैश्चयन किया, जवाब आता है कि इस संबंध में सरकार को कुछ मालूम नहीं है। यह इतना बड़ा घोटाला हुआ है, इतना बड़ा अन्याय हुआ है, इस पर सीबीआई जांच करे, उन लोगों को पकड़े, जेल में बंद करे और जो रुपया किसानों से ज्यादा लिया गया है, उसे किसानों को वापस करे। vÃ‰xÂªÃ‰Â´Ã‰Ã‰n*